आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
सोमवार 30.06.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- प्रदेश में भारी बारिश के चलते चारधाम यात्रा पर लगा अस्थायी प्रतिबंध हटाया गया। खराब मौसम को देखते हुए यात्रा मार्गों पर सतर्कता बरती जा रही है।
- हल्द्वानी में बरसात के चलते गौला बैराज और नदी क्षेत्र में लोगों की आवाजाही पर रोक। उत्तरकाशी जिले में सिलाई बैंड पर लापता श्रमिकों की खोजबीन के लिये राहत और बचाव अभियान जारी।
- अल्मोड़ा में ''गंगोत्री–गोमुख क्षेत्र से ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव'' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने रैगिंग रोकथाम विनियमों का अनुपालन नहीं करने के लिए चार आई.आई.टी., तीन आई.आई.एम. और अलीगढ़ मुस्लिम महाविद्यालय सहित 89 संस्थानों को नोटिस जारी किया।

यात्रा भुरू

प्रदेश में भारी बारिश के चलते पिछले 24 घंटे के लिए स्थगित की गई चारधाम यात्रा अब फिर से शुरू कर दी गई है। गढ़वाल मंडल आयुक्त विनय शंकर पांडेय ने बताया कि यात्रा पर लगा अस्थायी प्रतिबंध हटा लिया गया है, लेकिन खराब मौसम को देखते हुए यात्रा मार्गों पर सतर्कता बरती जा रही है।

उन्होंने बताया कि संबंधित जिलों के जिलाधिकारियों को अपने क्षेत्रों में मौसम की स्थिति के अनुसार वाहनों की आवाजाही नियंत्रित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि यह फैसला श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की असुविधा और खतरे से बचाने के लिए लिया गया है।

गौरतलब है कि भारी बारिश और भूस्खलन की आशंका के चलते प्रशासन ने एहतियातन चारधाम यात्रा 24 घंटे के लिए रोक दी थी और यात्रियों को हरिद्वार, ऋषिकेश, श्रीनगर, रुद्रप्रयाग, सोनप्रयाग और विकासनगर में रोका गया था।

रोक

हल्द्वानी में बरसात के चलते गौला बैराज और नदी क्षेत्र में लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। बढ़ते जलस्तर और सुरक्षा खतरे को देखते हुए सिंचाई विभाग और पुलिस प्रशासन ने बैराज की कैंटीन को भी बंद करने का निर्णय लिया है।

पर्वतीय क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण गौला नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। शनिवार को जलस्तर 375 क्यूसेक था, जो रविवार को बढ़कर 933 क्यूसेक हो गया, जिससे बैराज का एक गेट खोलना पड़ा।

रेस्क्यू अभियान

उत्तरकाशी जिले की बड़कोट तहसील के सिलाई बैंड पर कल बादल फटने की घटना के बाद से लापता श्रमिकों की खोजबीन के लिये रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बताया कि एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पुलिस की टीमें मौके पर मौजूद हैं और बारिश के बावजूद राहत और बचाव अभियान जारी है।

बादल फटने की इस घटना में नौ लोग लापता हो गए थे, जिनमें से दो के शव बरामद किये गये हैं।

वहीं, गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग वर्तमान में आवाजाही के लिये सुचारू कर दिया गया है और भीड़ को नियंत्रित करते हुए दर्शन के लिये आगे भेजा जा रहा है।

उधर, भूस्खलन से टनकपुर–पिथौरागढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग के घाट के पास बंद होने की सूचना है।

इस बीच, मौसम विभाग ने राज्य में आज भारी बारिश की संभावना जताई है। देहरादून, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, टिहरी, पौड़ी, हरिद्वार, नैनीताल और चम्पावत जिले में भारी से बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट, जबकि अन्य हिस्सों में भी मूसलाधार बारिश का अनुमान व्यक्त किया गया है।

रक्तदान ि◌ाविर

देहरादून में एक सामाजिक संगठन और 17 अन्य सहयोगी संस्थाओं की ओर से आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में खराब मौसम के बावजूद बड़ी संख्या में लोगों ने रक्तदान किया। इस दौरान 216 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस मौके पर रायपुर के विधायक उमेश शर्मा काउ ने कहा सभी को समय–समय पर रक्तदान करना चाहिए, ताकि जरूरतमंदों को समय पर रक्त मिल सके। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के अपर सचिव बंशीधर तिवारी ने कहा ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने कहा कि रक्तदान जैसे कार्यों से न केवल किसी का जीवन बचता है, बल्कि मानवता को जीवंतता मिलती है। उन्होंने संगठन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्वैच्छिक प्रयासों से ही सशक्त समाज बनता है।

ग्लोबल वॉर्मिंग संगोश्ठी

उत्तराखंड सेवानिधि पर्यावरण शिक्षा संस्थान अल्मोड़ा में ''गंगोत्री –गोमुख क्षेत्र से ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव'' विषय पर 30वीं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संस्थान की ओर से समय–समय पर समसामयिक विषयों कला साहित्य, संस्कृति, पर्यावरण आदि पर संगोष्ठी का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर डॉ. मिराल ने बताया कि वे पिछले 10–12 वर्षों से हिमालयी क्षेत्रों में जा रहे हैं और लगातार ग्लेशियरों पर अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गंगोत्री ग्लेशियर के अध्ययन से पता चलता है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्लेशियर लगातार सिकुड़ रहा है और पीछे हट रहा है। ये सभी बदलाव हिमालयी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के स्पष्ट संकेत हैं। उन्होंने कहा कि हिमालयी क्षेत्र में उद्योग और पर्यटन तेजी से बढ़ रहे हैं। इसलिए यह ज़रूरी है कि पर्यटक वहां सीमित संख्या में जाएं और क्षेत्र की क्षमता के अनुसार ही यात्रा करें। अनावश्यक भीड़ से वहां की प्राकृतिक पारिस्थितिकी पर बुरा असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि हिमालयी क्षेत्रों को ग्लोबल वार्मिंग से बचाने के लिए ठोस नीति की आवश्यकता है।

यूजीसी नोटिस

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग – यूजीसी ने रैगिंग रोकथाम विनियमों का अनुपालन नहीं करने के लिए चार भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों – आईआईटी, तीन भारतीय प्रबंधन संस्थानों – आईआईएम और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय सहित देश के 89 संस्थानों को नोटिस जारी किया है। नोटिस के अनुसार इन संस्थानों ने बार–बार कहने के बावजूद विद्यार्थियों से लिखित में अनिवार्य रैगिंग रोधी वचनबद्धता और संस्थानों से अनुपालन वचनबद्धता प्रस्तुत नहीं की है। रैगिंग संबंधी यूजीसी विनियम 2009 का अनुपालन सभी उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए अनिवार्य है।

चोरी खुलासा बागे□वर

बागेश्वर पुलिस ने मोबाइल टावर से हार्डवेयर पार्ट्स चोरी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह को गिरफ्तार कर एक बड़ी सफलता हासिल की है। चोरी की यह वारदात गत चार जून को ग्राम खोली स्थित मोबाइल टावर में हुई थी, जहां से तीन बीटीएस हार्डवेयर यूनिट और करीब 110 मीटर पावर केबल चोरी हो गई थी। पुलिस अधीक्षक चन्द्रशेखर घोड़के के निर्देशन में और सीओ अजय शाह के पर्यवेक्षण में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। सर्विलांस सेल की मदद से पुलिस ने लगातार दबिशें देकर 4 चोरों को गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि चोरी का शत–प्रतिशत सामान बरामद करते हुए अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। इस सफल कार्रवाई पर पुलिस अधीक्षक ने पुलिस टीम की सराहना करते हुए एक हजार रुपये की नगद पुरस्कार राशि देने की घोषणा की है।